Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh

कक्षा - दसवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण - नौ एवं दस

उपविषय - मुहावरे

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग - नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या 311 पर दिए गए मुहावरों का अध्ययन करेंगे। यह कार्य आपके पास 09 मई, 2022 को भेजा जाएगा।

बच्चो ! आज का हमारा विषय मुहावरे हैं। इसलिए आप सभी अपनी - अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ संख्या 311 निकाल लें साथ ही अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पत्रिका भी निकाल लें। सभी छात्र अब पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। विषय पर चर्चा करते-करते आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे और उन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आपको तीन मिनट दिए जाएँगे। उत्तर आप तभी दे पाएँगे यदि आप विषय पर ही अपना ध्यान केन्द्रित रखेंगे। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

बच्चो ! सबसे पहले मुहावरे से जुड़ी कुछ जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। 'मुहावरा' शब्द हिन्दी भाषा में अरबी भाषा की देन है। इसका शाब्दिक अर्थ है 'अभ्यास' या 'बातचीत'। ऐसा शब्द, वाक्यांश, वाक्य जो सामान्य से भिन्न किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराएँ और सामान्य अर्थ से भिन्न किसी और अर्थ में रूढ़ हो जाएँ, उसे

'मुहावरा' कहते हैं। लोकजीवन में प्रयुक्त भाषा में इनका उपयोग बड़े ही सहज रूप में होता है। इनके प्रयोग से भाषा को प्रभावशाली, मनमोहक तथा प्रवाहमयी बनाने में सहायता मिलती है। सदियों से इनका प्रयोग होता आया है और आज भी इनके अस्तित्व को भाषा से अलग नहीं किया जा सकता। यह कहना निश्चित रूप से गलत नहीं होगा कि मुहावरों के बिना भाषा अप्राकृतिक तथा निर्जीव जान पड़ती है।

बच्चो ! अब मैं आपको वाक्यों में मुहावरों के प्रयोग से संबंधित कुछ विशेष बातें बताने जा रही हूँ। वे इस प्रकार हैं :-

मुहावरों के रूप को बदला नहीं जा सकता है। जैसे 'अंग टूटना' को 'शरीर टूटना' के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जा सकता। वास्तविक अर्थ के साथ इनका प्रयोग न करके रूढ़ अर्थ के साथ ही इनका प्रयोग किया जाना चाहिए।

मुहावरे का वाक्य में प्रयोग होने से उसकी क्रिया वाक्य में लिंग, वचन, कारक के अनुसार परिवर्तित हो जाएगी।

हिन्दी भाषा में मुहावरों पर यदि अध्ययन किया जाए तो इनकी कोई सीमा नहीं है। सहस्रों मुहावरे हैं, जिनको संकलित करना अत्यंत कठिन कार्य है। इसी बात को ध्यान में रखते आपकी पुस्तक में कुछ आवश्यक तथा महत्त्वपूर्ण मुहावरे दिए गए हैं। आइए, अब इन पर चर्चा करते हैं। पिछली कक्षा में आपने एक से साठ तक कर लिए हैं। आज हम इकसठवें मुहावरे से आरंभ करेंगे। आपका ध्यान इसी ओर केन्द्रित रहना चाहिए।

चुल्लू भर पानी में डूब मरना - बहुत लज्जित होना
वाक्य - तुमने आज अपने बड़े भाई पर हाथ उठाया, तुम्हें तो चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए।

छठी का दूध याद आना - संकट का अनुभव होना
वाक्य - कारगिल में भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया।

छाती पर साँप लोटना - ईर्ष्या होना
वाक्य - मेरे पास नई कार आते ही पड़ोसियों की छाती पर साँप लोटने लगा।
छक्के छुड़ाना - बुरी तरह हराना
वाक्य - 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान के सैनिकों के छक्के छुड़ा दिए।
जान के लाले पड़ना - प्राण खतरे में पड़ना
वाक्य - शेर को देखते ही हमें जान के लाले पड़ने लगे।
जूतियाँ चटकाना - इधर-उधार बेकार घूमना
वाक्य - आज के शिक्षित युवा अपना कोई काम करने की बजाए जूतियाँ चटकाते फिरते हैं।
टस से मस न होना - थोड़ा भी विचलित न होना
वाक्य - लालची डॉक्टर से मरते बच्चे की जिन्दगी की गुहार की पर वह टस से मस न हुआ।
टाँग अड़ाना - रुकावट डालना
वाक्य - यह तुम्हारा घरेलू मामला है, मेरा इसमें टाँग अड़ाना ठीक नहीं है।
डंका बजना - प्रभाव होना
वाक्य - महाराणा रणजीत सिंह का पूरे उत्तर भारत में डंका बजता था।
तिल का ताड़ बनाना - बात को बढ़ा-चढ़ा कर कहना
वाक्य - घरों में होने वाले झगड़े तिल का ताड़ बनने के कारण ही होते हैं।
तूती बोलना - अत्यन्त प्रभाव होना
वाक्य - आज अमेरिका की सारे विश्व में तूती बोलती है।
थाली का बैंगन - अस्थिर व्यक्ति
वाक्य - आज के मंत्री थाली का बैंगन हैं जिधर फायदा देखते हैं, उधर ही चले जाते हैं।
डींग मारना - शेखी मारना
वाक्य - अपनी योग्यता की अधिक डींग मत मारो।
ढोल पीटना - बात सभी ओर कहते फिरना
वाक्य - सचदेव दसवीं की परीक्षा में दूसरी बार भी

फ़ेल हो गया, तो सुधीर उसके फ़ेल होने का ढोल पीट रहा है।

तारे गिनना - दुःख से रात काटना
वाक्य - वृद्धावस्था में प्रायः रातें तारे गिन-गिन कर ही काटनी पड़ती हैं।

तिल धरने की जगह न होना - बहुत भीड़ होना
वाक्य - त्योहारों के दिनों में बाज़ारों में तिल धरने की जगह नहीं होती।

थूककर चाटना - बात से फिर जाना
वाक्य - पहले काम करने का वायदा न करते, अब थूककर चाटना भला अच्छा लगता है?

दाँत खट्टे करना - बुरी तरह हराना
वाक्य - पानीपत की लड़ाई में बाबर ने इब्राहिम लोधी के दाँत खट्टे कर दिए।

दिन फिरना - किस्मत पलट जाना
वाक्य - श्याम को अच्छी नौकरी मिल गई है। अब उसके दिन फिर जाएँगे।

दाल में काला होना - शंका होना
वाक्य - पुलिस उसके घर तलाशी लेने आई है, अवश्य ही दाल में कुछ काला होगा।

बच्चो! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्न सुनकर आप तीन मिनट के अन्तर्गत ही पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. 'मुहावरा' शब्द हिन्दी भाषा में किसकी देन है? इसका शाब्दिक अर्थ क्या है?

प्रश्न 2. 'तिल का ताड़ बनाना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथन के लिए किस उपयुक्त मुहावरे का प्रयोग किया जा सकता है :-
सोहन के कक्षा में प्रथम आने पर श्याम को बहुत ईर्ष्या होने लगी।

बच्चो! प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए दी गई तीन मिनट की अवधि अब समाप्त हो चुकी है। आशा

है कि आपने उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. 'मुहावरा' शब्द हिन्दी भाषा में अरबी भाषा की देन है। इसका शाब्दिक अर्थ है 'अभ्यास' या 'बातचीत'।

उत्तर 2. 'तिल का ताड़ बनाना' मुहावरे का अर्थ है - बात को बढ़ा - चढ़ा कर कहना।

उत्तर 3. सोहन के कक्षा में प्रथम आने पर श्याम की छाती पर साँप लोटने लगा।

बच्चो ! अब आगे दिए गए मुहावरों को भी पढ़ेंगे। आप सभी ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

दुम दबाकर भागना - डरकर भागना
वाक्य - शेर को देखते ही बकरी दुम दबाकर भाग गई।

दौड़ - धूप करना - बहुत प्रयत्न करना
वाक्य - मोहन ने नौकरी लेने के लिए बहुत दौड़ - धूप की ; परन्तु उसे सफलता नहीं मिली।

दोनों हाथों में लड्डू होना - बहुत लाभ होना
वाक्य - एक तो उसे पढ़ी - लिखी लड़की मिल गई। दूसरे उसकी सरकारी नौकरी लग गई। उसके तो दोनों हाथों में लड्डू हैं।

नाक में दम करना - तंग करना
वाक्य - बच्चों ने अपनी शैतानियों से सबकी नाक में दम कर दिया है।

नाकों चने चबवाना - बहुत तंग करना
वाक्य - शिवाजी ने मुगल सैनिकों को नाकों चने चबवा दिए।

नौ - दो ग्यारह होना - भाग जाना
वाक्य - पुलिस को देखकर चोर नौ - दो ग्यारह हो गए।

नाक रगड़ना - मिन्नतें करना
वाक्य - वह परीक्षा में नकल करता पकड़ा गया तो नाक रगड़ने लगा।

नमक - मिर्च लगाना - बात को बढ़ा - चढ़ा कर कहना
वाक्य - बात तो कुछ भी नहीं थी। उसने तुम्हें उकसाने के लिए नमक - मिर्च लगाकर बात कही है।

नानी याद आना - दुःखी होना
वाक्य - जब लंबे-लंबे प्रश्न याद करने पड़ेंगे तब नानी याद आएगी।
पाँचों अंगुलियाँ घी में होना - अत्यंत लाभ होना
वाक्य - चुनाव के दिनों में कार्यकताओं की पाँचों अँगुलियाँ घी में होती हैं।
पेट में चूहे दौड़ना - बहुत भूख लगना
वाक्य - बातें बाद में करेंगे, पहले कुछ खाने के लिए दो, क्योंकि मेरे पेट में चूहे दौड़ रहे हैं।
पापड़ बेलना - कष्टपूर्ण जीवन जीना
वाक्य - आज एक सफल व्यापारी कहलाने वाले देवांग ने बहुत पापड़ बेले हैं।
पगड़ी उछालना - इज़्ज़त उतारना
वाक्य - आजकल के नौजवान अपने पिता की पगड़ी उछालने में भी संकोच नहीं करते।
पत्थर का कलेजा होना - कठोर हृदय वाला होना
वाक्य - रामलाल का तो पत्थर का कलेजा है, जो अपनी विधवा बेटी की दुखभरी कहानी सुनकर भी नहीं पसीजा।
फूला न समाना - बहुत खुश होना
वाक्य - अपनी कक्षा में प्रथम आने पर दीपक फूला नहीं समाया।
बाल-बाल बचना - बहुत थोड़े अंतर से बचना
वाक्य - कल कार की दुर्घटना में वह बाल-बाल बच गया।
बहती गंगा में हाथ धोना - मौके का लाभ उठाना
वाक्य - तुम भी बहती गंगा में हाथ धो लो, आजकल तुम्हारे पिता जी जिलाधीश हैं।
भीगी बिल्ली बनना - भय से दब जाना
वाक्य - अपने पिता जी के सामने सन्नी तो भीगी बिल्ली बना रहता है और बाद में आसमान सिर पर उठा लेता है।
मिट्टी का माधो - निरा मूर्ख
वाक्य - योगेश को समझाना व्यर्थ है, वह तो मिट्टी का माधो है।

मन मसोसकर रह जाना - निराश होकर बैठ जाना
वाक्य - परीक्षा में इतने कम अंक पाकर दिनेश मन मसोसकर रह गया।
मुट्ठी गर्म करना - रिश्वत देना
वाक्य - आजकल अफ़सरों की मुट्ठी गरम किए बिना काम नहीं निकलता।
मैदान मारना - सफलता प्राप्त करना
वाक्य - हमारे स्कूल की क्रिकेट टीम ने मैच जीत कर मैदान मार लिया।
रंग में भंग पड़ना - खुशी में विघ्न पड़ना
वाक्य - संगीत समारोह पूरे ज़ोरों पर था, पर वर्षा से रंग में भंग पड़ गया।
राई का पहाड़ बनाना - छोटी सी बात को बढ़ा चढ़ा कर कहना
वाक्य - मुहल्ले में हुई लड़ाई को गीता ने अपने पति को राई का पहाड़ बनाकर बताया।
लोहा लेना - शक्ति मानना
वाक्य - संसार के सभी देश रूस का लोहा मानते हैं।
विष उगलना - कठोर वचन बोलना
वाक्य - आजकल हर दल के नेता दूसरे दल के विरुद्ध विष उगलते रहते हैं।
वीरगति पाना - युद्ध में लड़ते हुए मरना
वाक्य - युद्ध में अनेक सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए।
सिर नीचा होना - शर्मिंदा होना
वाक्य - सौरभ ने चोरी करके अपने माता-पिता का सिर नीचा कर दिया।
सिर मुँडाते ही ओले पड़ना - कार्य प्रारंभ होते ही संकट आना
वाक्य - जैसे ही हमने फ़ैक्टरी लगाई, सरकार ने सीलिंग अभियान शुरू कर दिया। हमारे ऊपर तो सिर मुँडाते ही ओले पड़ गए।
हवा से बातें करना - तेज़ भागना
वाक्य - महाराणा प्रताप का घोड़ा चेतक हवा से बातें करता था।

हवाई किले बनाना - बड़ी-बड़ी कल्पनाएँ करना
वाक्य - परिश्रम से सफलता प्राप्त होती है, न कि हवाई किले बनाने से।
हाथ मलना - पछताना
वाक्य - समय का सदुपयोग न करने वाले बाद में हाथ मलते हैं।
हाथ-पैर मारना - कोशिश करना
वाक्य - आजकल सरकारी नौकरी पाने के लिए बहुत हाथ-पैर मारने पड़ते हैं।
हथेली पर सरसों जमाना - असंभव कार्य करना
वाक्य - दस दिन की तैयारी में आई.ए.एस. की परीक्षा पास करना हथेली पर सरसों जमाना है।
हथियार डालना - हार मानना
वाक्य - पहला अणुबम गिरने पर जापान ने हथियार डाल दिए।
हाथ-पैर मारना - कोशिश करना
वाक्य - काफ़ी हाथ-पैर मारने के बाद उसने नौकरी पाने में सफलता प्राप्त की।

बच्चो! अब हमारे ये मुहावरे समाप्त हो चुके हैं। आप सभी इन्हें लिख-लिख कर याद करने का अभ्यास करेंगे।

* गृहकार्य

सभी छात्र व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ संख्या 314, 315 एवं 316 पर दिए मुहावरे चुल्लू भर पानी में डूब मरना से लेकर हाथ पैर मारना तक (81 से 116 तक) अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद भी करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]